साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 34 | जौनपुर, शुक्रवार, 20 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

चुनाव सुधार की दिशा में वन नेशन–वन इलेक्शन एक बड़ा कदम – गिरिराज सिंह

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्र की मोदी सरकार ने श्वन नेशन–वन इलेक्शनश को मंजूरी दे दी है। अब जल्द ही इस बिल को सदन में पेश किया जाएगा। इसको लेकर कपड़ा मंत्री और बिहार के बेगूसराय से भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। गिरिराज सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी शुरू से ही वन नेशन–वन इलेक्शन के पक्ष में हैं। इसको लेकर देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों, देश के मूर्धन्य नेताओं, सभी राजनीतिक दलों और चेंबर ऑफ कॉमर्स से चर्चा की गई। अब इसको कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। भाजपा नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कैबिनेट के फैसले को लेकर लिखा, चुनाव सुधारों की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस पहल का उद्देश्य पूरे देश में एक साथ चुनाव कराना है। बार–बार चुनाव होने से चुनाव आचार संहिता के कारण विकास कार्य प्रभावध्ति होते हैं। प्रशासन को और अधिक सुव्यवस्थित किया जाएगा, इससे प्रमुख विकास परियोजनाओं पर निर्बाध काम हो सकेगा।

स्वच्छता से ही भारत स्वस्थ और विकसित बनेगा– मुर्मू

नई दिल्ली, एजेसी। सफाई मित्र सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुर्मू ने स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार सातवीं बार शीर्ष पर रहने के लिए मध यप्रदेश के इंदौर शहर और देश में सबसे स्वच्छ राज्य की राजधानी होने के लिए भोपाल की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''सफाई मित्रों को सम्मानित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। स्वच्छता से ही देश स्वस्थ और विकसित बनेगा। सफाई मित्रों को सम्मानित करके हम खुद को सम्मानित कर रहे हैं। मुर्मू ने लोगों से देश को 'स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित' बनाने के लिए एक कदम आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) पिछले 10 वर्षों में एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन गया है और इसके परिणामस्वरूप देश में व्यापक बदलाव हुए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि इस अभियान से लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है और स्वच्छता के प्रति उनके व्यवहार में काफी बदलाव आया है। उन्होंने स्कूलों में छात्राओं के लिए शौचालय की व्यवस्था करने के लिए सरकार को बधाई दी और कहा कि इसके परिणामस्वरूप बालिकाओं की साक्षरता का स्तर बढ़ा है। इस अवसर पर मुर्मू ने चार महिलाओं सहित पांच सफाई मित्रों को सम्मानित किया।

फ्लोट से मिलेगा पर्यटन को बढ़ावा - सीएम

गोरखपुर, संवाददाता। सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर में 15–20 वर्ष पहले नौका विहार और रामगढ़ ताल नाम से लोगों के मन मे भय होता था। लेकिन ,इन सात वर्षों में यहां का नजारा बदल गया है। साल वर्ष पहले ये क्षेत्र विकास से कोसों दूर था। अब, ये पर्यटन का स्थल हो गया है। सात साल पहले जहां लोग दिन के उजाले में यहां आने में भयभीत होते थे, वो अब रात में इत्मीमान से यहां का लुत्फ उठाते हैं। वो भी अकेले नहीं, परिवार के साथ। पहले, रामगढ़ गंदगी व अपराध का गढ़ बना हुए था। आज पर्यटन का एक केंद्र हो गया है। फर्टिलाइजर बंद था, मेडिकल कालेज बीमार था। दिनभर जाम से जूझते थे। आज शहर को सड़कें, फोर लेन व सिक्स लेन सड़कें मिल चुकी हैं।

आज एयरपोर्ट सबसे व्यस्त एयरपोर्ट है। खाद कारखाना फिर से चालू हो गया है। मेडकिल कालेज बेहतर हुआ। एम्स भी सेवा दे रहा है। रामगढ़ ताल 1700 एकड़ क्षेत्र में विकसित होकर पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। पहले क्रूज आया। अब फ्लोटिंग रेस्टोरेंट सुविधा देंगे। इससे पर्यटक आकर्षित हो रहे हैं और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का उद्घाटन करते हुए कहा कि कम से कम हापुड़ वाला जूस नहीं मिलेगा, थूक लगाकर रोटियां तो नहीं मिलेंगी। यहां जो मिलेगा शुद्ध मिलेगा। जो फाइव स्टार होटल में सुविधा मिलती है, अब यहां मिलेगी। लेक के चारों ओर सड़क बन रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस गोरखपुर के नाम से 15–20 साल पहले भय होता था, सात वर्ष पूर्व जहां सुविधाओं की कल्पना ही बेमानी थी, वही गोरखपुर अब आधुनिक सोच के साथ विकास और रोजगार का संगम और नया पर्यटन हब बन रहा है।

यह चुनाव जम्मू कश्मीर को और बुलंद बनाने के लिए - मोदी

जम्मू–कश्मीर, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी कटरा में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि हम दिल और दिल्ली की दूरी मिटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये चुनाव, जम्मू–कश्मीर का भविष्य चुनने के लिए है। नए जम्मू कश्मीर को और बुलंद बनाने के लिए है। कांग्रेस, पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस के जिन तीन खानदानों ने इस क्षेत्र को सालों–साल घाव दिए, उनकी राजनीतिक विरासत का सूर्य आपको अस्त करना ही होगा। इसके लिए आपको कमल के निशान को चुनना होगा। ये भाजपा ही है जो आपके हितों को प्राथमिकता देती है। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि ये भाजपा ही है जिसने आपके साथ दशकों से चले आ रहे भेदभाव को खत्म किया है। उन्होंने कहा कि हमारा ये क्षेत्र हमारी आस्था का, हमारी संस्कृति की पहचान है, इसलिए यहां ऐसी सरकार चाहिए, जो हमारी आस्था को सम्मान दे और हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाए। कांग्रेस कुछ मतों के लिए हमारी आस्था और संस्कृति को कभी भी दाव पर लगा सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार के वारिस ने हाल ही में विदेश जाकर क्या कहा है, वो आपने भी सुना होगा। वो कहते हैं– हमारे देवी–देवता भगवान नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंदू धर्म में गांव–गांव में देवी–देवताओं को पूजने की परंपरा है। हम ईस्ट देवों को मानने वाले लोग हैं और कांग्रेस वाले कहते हैं कि देवता भगवान नहीं होते। क्या आप इस बात से सहमत हैं? क्या ये हमारे देवी देवताओं का अपमान नहीं है? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का शाही परिवार, देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है। ये परिवार, भारत में भ्रष्टाचार की कुरीति का जन्मदाता है, उसका पोषक है। इनकी हिम्मत देखिए... ये डोगरों की धरती पर आकर, यहां के राज परिवार को भ्रष्ट कहते हैं। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता ने डोगरा विरासत पर ये हमला जानबूझकर किया है। ये मोहब्बत की दुकान के नाम पर नफरत का सामान बेचने की उनकी पुरानी नीति है। इनको वोटबैंक के अलावा कुछ नहीं दिखाई देता। उन्होंने कहा कि रियासी और उधमपुर के साथ कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी ने कैसा सौतेला व्यवहार किया है, ये आप मुझसे ज्यादा जानते हैं।

कांग्रेस ने किसानों का कभी नहीं किया भला – जेपी नड्डा

हरियाणा, एजेसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हरियाणा के रोहतक में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में हमने सरकार बनाई। अब यही अभिलाषा और इच्छा लेकर हम चले हैं कि हरियाणा की जनता का आशीर्वाद मिले और तीसरी बार भी हम यहां कमल का परचम लहराएं। उन्होंने कहा कि ये चुनाव सिर्फ भाजपा की सरकार बनाने का नहीं है। ये चुनाव हरियाणा की गति को चलाए रखने का चुनाव है। ये चुनाव हरियाणा को पटरी पर रखने का चुनाव है। इसलिए आपके कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। जेपी नड्डा ने कहा कि बहुत से ऐसे लोग होंगे जो पहली बार मतदान कर रहे होंगे और 10 साल पहले वो 8 बरस के होंगे, उनको मालूम नहीं होगा कि... यहां की सड़कें कैसी थीं, 10–10 घंटे गांव में बिजली गुल रहती थी, किसानों के खेत में पानी नहीं पहुंचता था, पर्ची पर नौकरी देने के कारण लोगों को सजाएं हुईं। भाजपा के 10 साल के दौरान न कोई जमीन घोटाला हुआ और न ही पर्ची पर नौकरी लगी। उन्होंने लोगों से कहा कि आपको याद रखना है, जो प्रदेश पर्ची पर नौकरी देता था, वो आज नौकरी मेरिट पर देता है। जिस प्रदेश में जमीन के घोटाले हुआ करते थे, वो प्रदेश घोटाला मुक्त हो गया और विकास की ओर बढ़ चला है। कांग्रेस पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि आज कल कांग्रेसी किसानों को लेकर घड़ियाली आंसू बहाते हैं... जब प्रदेश में इनकी सरकार थी, तब ये सिर्फ 8 फसलों पर एमएसपी देते थे। आज भाजपा सरकार 24 फसलों पर एमएसपी दे रही है और आगे भी जारी रखेगी। नड्डा ने कहा कि हरियाणा में भाजपा की सरकार बनते ही रू2,100 प्रतिमाह हर महिला को दिया जाएगा। खरखौदा की तर्ज पर 10 औद्योगिक शहरों का निर्माण होगा और आस पास के गांव के 50,000 युवाओं को नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत के तहत मिल रहे रू5 लाख तक के मुफ्त इलाज को रू10 लाख कर दिया जाएगा। इसी के साथ परिवार के 70 वर्ष से अधिक के प्रत्येक बुजुर्ग को अलग से रू25 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसी अकेली पार्टी है जो कैडर आधारित पार्टी है। बाकी पार्टियां ऐसी हैं... नेता है तो नीयत नहीं है, नेता है तो नीति नहीं है, नेता है तो कार्यकर्ता नहीं है।

ऐतिहासिक मतदान के लिए जम्मू कश्मीर को बधाई – उपराज्यपाल सिन्हा

जम्मू–कश्मीर, एजेसी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को जम्मू कश्मीर के लोगों को विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 58 प्रतिशत से अधिक मतदान के लिए बधाई दी और कहा कि यह दर्शाता है कि केंद्र शासित प्रदेश में लोकतंत्र फल–फूल रहा है। सिन्हा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ऐतिहासिक मतदान के लिए बधाई जम्मू–कश्मीर! मैं सभी मतदाताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने पहले चरण में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव में रिकॉर्ड मतदान भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और लोकतांत्रिक मूल्यों में लोगों की आस्था को दर्शाता है।'' सिन्हा ने सुरक्षा बलों और चुनाव अधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''मैं अपनी सभी बहनों और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को लोकतंत्र के उत्सव में बड़ी संख्या में भाग लेने के लिए बधाई देता हूं। उत्कृष्ट सुरक्षा बलों, जम्मू कश्मीर पुलिस और निर्वाचन अधिकारियों का हार्दिक आभार। पहले चरण में लगभग 59 प्रतिशत मतदान दर्शाता है कि जम्मू कश्मीर में जम्हूरियत फल–फूल रही है।'' सिन्हा ने कहा कि डोडा, किश्तवाड़, रामबन, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम और अनंतनाग में मतदाताओं की लंबी कतारों ने ''विरोधियों के प्रेरित दुष्प्रचार को ध्वस्त कर दिया।'' उन्होंने कहा, ''लोगों ने विभाजन कारी तत्वों के एजेंडे को नकार दिया है और लोकतंत्र में अपनी आस्था दोहराई है।

किसानों का कल्याण मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता - शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, एजेसी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए सरकार के 100 दिन पूरे होने पर कृषि मंत्रालय का रिपोर्ट कार्ड पेश किया है। इस दौरान शिवराज ने साफ तौर पर कहा कि कृषि और किसान कल्याण मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कृषि में तकनीक का उपयोग बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने डिजिटल कृषि मिशन को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के लिए कृषि और किसान कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 100 दिनों में किसान कल्याण और कृषि के विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य हुआ है। शिवराज ने कहा कि फसल का उत्पादन बढ़ाने के लिए 65 फसलों की 109 नई किस्में जारी की गईं, जो जलवायु अनुकूल, कीट प्रतिरोधी और अधिक उपज वाली हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालते ही लगभग साढ़े 9 करोड़ किसानों के खाते में श्पीएम किसान सम्मान निधिश की 17वीं किस्त जारी की। साथ ही हमने छूटे हुए 25 लाख किसानों के नए नाम भी जोड़े। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समय पर किसानों को सस्ता फर्टिलाइजर मिल जाए यह हमारी सरकार की प्राथमिकता है। केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष 1.94 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी को भी माफ कर दिया है। लाखों लोगों को इससे लाभ मिला है। हमारी पहली प्राथमिकता है कि हम आर्थिक रूप से गांव को मजबूत करें, जब गांव मजबूत होगा तो राज्य खुद–ब–खुद मजबूत हो जायेगा। उन्होंने झारखंड के विधानसभा चुनाव को अमीर और गरीब के बीच की लड़ाई बताते हुए कहा कि भाजपा के लोग जरूरत के समय आपके सामने हाथ फैलाने आते हैं और जब उनका काम पूरा हो जाता है तो दूध से मक्खी की तरह ये लोग गरीब–गुरूबा को फेंक देते हैं। यही इनका काम है। आने वाली यह लड़ाई अमीर और गरीब के बीच में होने जा रही है। यह लोग पैसे से परिवार, पार्टी और समाज भी तोड़ने का काम करेंगे। इनसे सावधान रहने की जरूरत है।

सारा बजट का हिसाब लगाकर की घोषणाएं – मनोहर लाल खट्टर

हरियाणा, एजेसी। मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि हरियाणा के घोषणापत्र में बहुत संतुलित तरीके से हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। महिलाओं, युवाओं, किसानों, पिछड़े समाज, सबका ध्यान रखा गया है। उसमें युवाओं के लिए नौकरी की भी चिंता की गई है। हमने सोच –समझकर, सारा बजट का हिसाब लगाकर घोषणाएं की हैं। भाजपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2,100 रुपये देने का वादा किया। भाजपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 24 फसलें खरीदने, शहरी और ग्रामीण इलाकों में पांच लाख मकान बनाने का वादा किया। भाजपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में दो लाख सरकारी नौकरियां और हर घर गृहिणी योजना के तहत 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर देने का वादा किया। भाजपा ने रोहतक में अपना संकल्प पत्र जारी करते हुए हरियाणा के हर अग्निवीर को सरकारी नौकरी देने का वादा किया। खरखौदा औद्योगिक शहर की तर्ज पर 10 औद्योगिक शहर बनाने का वादा किया। घोषणापत्र जारी होने से पहले सैनी ने कहा कि संकल्प पत्र में युवाओं, गरीबों, किसानों और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। नड्डा ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में हरियाणा प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा है। उन्होंने पिछली सरकारों के दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार और घोटालों का जिक्र करते हुए कहा, आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।

झारखंड के सभी पूर्व सीएम मिलकर मुझे पद से हटाने में जुटे हैं - हेमंत सोरेन

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। 'आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत गढ़वा जिले के मेराल में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे मुख्यमंत्री पद से हटाने के लिए राज्य के सारे पूर्व सीएम भाजपा में चले गए हैं। प्रधानमंत्री भी उनके साथ हैं। सारे लोग एक तरफ हैं और दूसरी तरफ मैं। लेकिन, मेरे साथ जनता का आशीर्वाद है। हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में चुनाव नजदीक हैं। ऐसे में हिंदू–मुस्लिम करने वाले षड्यंत्रकारी लोग राज्य में घूम रहे हैं। गुजरात, यूपी, महाराष्ट्र, हैदराबाद, चंडीगढ़, मध्य प्रदेश के लोग गांव–गांव दिखेंगे। ये लोग धन बल के दम पर भीड़ इकट्ठा करके जाति, धर्म, संप्रदाय का जहर घोलने का काम करेंगे। इन्हें चुनावी बोरे में भरकर जहां–जहां से ये आए हैं, वहां वापस भेजना होगा। वोट चोरी करने वालों को राज्य से खदेड़ना होगा। केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेले व्यवहार का आरोप लगाते हुए सोरेन ने कहा कि चार साल तक हम केंद्र के आगे नाक रगड़ते–रगड़ते थक गए, उन्होंने राज्य का बकाया नहीं दिया। जब हम झारखंड का अधिकार मांगते हैं तो ये हमें जेल में डाल देते हैं। तीन वर्ष तक हम केंद्र सरकार से गरीबों के लिए आवास की मांग करते रहे, लेकिन उन्होंने उसकी स्वीकृति नहीं दी। अब चुनाव नजदीक है तो इन्होंने कुछ आवास का झुनझुना दिखाया है। हम राज्य सरकार के अबुआ आवास के अंतर्गत 20 लाख आवास देने का काम कर रहे हैं। सोरेन ने कहा कि हम यहां के गरीबों को पेंशन रूपी बुढ़ापे की लाठी और महिलाओं को सम्मान राशि देकर मजबूत करने का काम करते हैं, युवाओं को मजबूत करने का काम करते हैं, बच्चों के लिए अच्छे स्कूल बनाने का काम करते हैं, तो भाजपा के पेट में दर्द होता है। अगले 5 वर्ष में हर घर को मजबूत करने का मेरा लक्ष्य है और हर घर में 1 लाख रुपए पहुंचाने का काम आपकी यह सरकार करेगी। हमने 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त की, साथ ही 200 यूनिट तक का बकाया बिजली बिल को भी माफ कर दिया है। लाखों लोगों को इससे लाभ मिला है। हमारी पहली प्राथमिकता है कि हम आर्थिक रूप से गांव को मजबूत करें, जब गांव मजबूत होगा तो राज्य खुद–ब–खुद मजबूत हो जायेगा। उन्होंने झारखंड के विधानसभा चुनाव को अमीर और गरीब के बीच की लड़ाई बताते हुए कहा कि भाजपा के लोग जरूरत के समय आपके सामने हाथ फैलाने आते हैं और जब उनका काम पूरा हो जाता है तो दूध से मक्खी की तरह ये लोग गरीब–गुरूबा को फेंक देते हैं। यही इनका काम है। आने वाली यह लड़ाई अमीर और गरीब के बीच में होने जा रही है। यह लोग पैसे से परिवार, पार्टी और समाज भी तोड़ने का काम करेंगे। इनसे सावधान रहने की जरूरत है।

बीजेपी रही तो चुनाव धीरे–धीरे खत्म हो जाएगा – तेजस्वी यादव

बिहार, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सरकार के एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। हालांकि, कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं। इन सब के बीच वन नेशन वन इलेक्शन पर राजद नेता तेजस्वी यादव का भी बयान सामने आया है। तेजस्वी ने मीडिया से कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि बिल आने पर हम संसद में अपना रुख तय करेंगे।श उन्होंने कहा कि हम चुनाव के दौरान हमेशा कहते रहे हैं कि असंवैधानिक काम किया जा रहा है और लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। राजद नेता ने आगे कहा कि आज वे एक राष्ट्र एक चुनाव ला रहे हैं, कल वे एक राष्ट्र एक पार्टी और फिर एक राष्ट्र एक नेता कहेंगे। उन्होंने कहा कि हम कहते रहे हैं कि बीजेपी आएगी तो चुनाव धीरे–धीरे खत्म हो जाएगा।

झारखंड, दिल्ली और महाराष्ट्र के चुनाव अभी क्यों नहीं कराए गए? जाहिर है कि बीजेपी आएगी तो लोगों का वोट देने का अधिकार छिन जाएगा। इससे पहले राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि मेरी पार्टी हमेशा कहती है कि इस देश में एक देश एक चुनाव था।

संपादकीय

सिर्फ कानून बनाने से नहीं रुकेंगे महिला अपराध

देश के नेताओं ने समस्याओं का आसान रास्ता तलाश कर रखा है। जब भी किसी समस्या से सामना हो तो कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लो। समस्या की जड़ तक कोई भी राजनीतिक दल और सरकारें नहीं जाना चाहती। ऐसा नहीं है कि समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता, किन्तु वहां तक पहुंचने और व्यवहारिक समाधान ढूंढने में पापड़ बेलने पड़ते हैं। पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार ने महिला चिकित्सक से बलात्कार के बाद हत्या के मामले में वही किया है जो अब तक ऐसे मामलों में दूसरे राज्य या केंद्र सरकार करती रही हैं। मसलन कानून बना कर जिम्मेदारी पूरी कर ली। ममता सरकार ने विधानसभा में बलात्कार रोधी विधेयक सर्वसम्मति से पारित कर दिया। विधेयक के मसौदे में बलात्कार पीडिघ्ता की मौत होने या उसके स्थायी रूप से अचेत अवस्था में चले जाने की सूरत में ऐसे दोषियों के लिए मृत्युदंड के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा मसौदे में प्रस्ताव किया गया है कि बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के दोषी व्यक्तियों को आजीवन कारावास की सजा दी जाए, और उन्हें पेरोल की सुविधा न दी जाए। अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक 2024 शीर्षक वाले इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नये प्रावधानों के जरिये महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। यह बिल पास होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा, उनसे पास होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए जाएगा। इससे पहले 2019 में आंध्र प्रदेश दिशा विधेयक और 2020 में महाराष्ट्र शक्ति विधेयक विधानसभा से पारित हुआ था। इन दोनों विधेयकों में बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के सभी तरह के मामलों में अनिवार्य फांसी का प्रावधान किया गया था। इन दोनों विधेयकों को राज्य विधानसभाओं ने सर्वसम्मति से पारित किया था। लेकिन दोनों विधेयकों अभी तक राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के साथ–साथ 2012 के पोक्सो अधिनियम के कुछ हिस्सों में संशोधन करने और पीडिघ्ता की उम्र चाहे जो हो, कई तरह के यौन उत्पीडन के मामलों में मौत की सजा का प्रावधान है। इस बिल में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराध के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। बीते महीने लागू हुए बीएनएस की धारा–64 में बलात्कार के लिए 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। वहीं बीएनएस की धारा–66 में बलात्कार और हत्या और ऐसे बलात्कार, जिनमें पीडिघ्त निष्क्रिय हो जाती है, उनमें मौत की सजा का प्रावधान है। इसमें 20 साल की जेल की या उम्र कैद की सजा का भी प्रावधान किया गया है।

इसे भी पढ़ेंरू महिला विरोधी अपराध के दलदल में भद्रलोक

गौरतलब है कि निर्भया कांड के बाद कानून को बहुत सख्त कर दिया गया था। रेप की परिभाषा भी बदल दी थी, ताकि महिलाओं के खिलाफ अपराध में कमी लाई जा सके। पहले जबरदस्ती या असहमति से बनाए गए संबंधों को ही रेप के दायरे में लाया जाता था। लेकिन इसके बाद 2013 में कानून में संशोधन कर इसका दायरा बढ़ाया गया। इतना ही नहीं, जुवेनाइल कानून में संशोधन किया गया था। इसके बाद अगर कोई 16 साल और 18 साल से कम उम्र का कोई किशोर जघन्य अपराध करता है तो उसके साथ वयस्क की तरह ही बर्ताव किया जाएगा। हालांकि, इन सबके बावजूद सुधार नहीं हुआ है। निर्भया कांड (2012) के बाद भारत में कई चर्चित बलात्कार की घटनाएं हुई हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक 17 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार और हत्या की घटना सामने आई। उत्तर प्रदेश के ही हाथरस जिले में एक 19 वर्षीय दलित लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार और अत्यंत बर्बरता की गई। पीडिघ्ता की मृत्यु के बाद, उसके शव को परिवार की अनुमति के बिना रात के समय दफनाया गया। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सामने आई। पीडिघ्ता की शिकायत के बावजूद, पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जिससे व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। हैदराबाद में एक महिला वेटरनरी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना ने व्यापक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। अपराधियों को पकडने के लिए पुलिस ने कार्रवाई की, और बाद में आरोपी एनकाउंटर में मारे गए, जिसने विवाद और बहस को जन्म दिया। मणिपुर में एक महिला के साथ बलात्कार और हत्या की घटना ने हाल ही में बहुत ध्यान खींचा। इस मामले ने स्थानीय हिंसा और सामाजिक अस्थिरता को भी उजागर किया। साल 2013 में केंद्र सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए निर्भया फंड बनाया, जिसका मकसद राज्यों को महिलाओं की सुरक्षा को पुख्ता करना था। मगर, इसका अभी पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हो पाया है। निर्भया फंड की 9 हजार करोड़ रुपये की धनराशि का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा भी सही से इस्तेमाल नहीं हो पाया है। निर्भया फंड बनने से लेकर 2021–22 तक, कोष के तहत कुल आवंटन 6,000 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा है, जिसमें से 4,200 करोड़ रुपये का ही अब तक इस्तेमाल हो पाया है। गौरतलब है कि भारत में हर घंटे 3 महिलाएं रेप का शिकार होती हैं, यानी हर 20 मिनट में बलात्कार की एक घटना। देश में रेप के मामलों में 96 प्रतिशत से ज्यादा आरोपी महिला को जानने वाले होते हैं।

मोदी सरकार की सौ दिन की उपलब्धियां भी कम नहीं

उमेश

संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी सरकार के लिए सौ दिनों का समय बहुत ज्यादा नहीं होता। हां, अगर शपथ ग्रहण से पहले भी उसी दल और नेतृत्व की सरकार हो तो सौ दिन के कार्यकाल में बहुत कुछ किया जा सकता है। इन अर्थों में देखें तो मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के खाते में कई उपलब्धियों का बोलबाला है। मोदी सरकार ने अपनी उपलब्धियों का खुद भी एक लेखा–जोखा पेश किया है। जिसमें सामाजिक, आर्थिक और कूटनीतिक तीनों तरह की कामयाबी शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल के नवंबर महीने में विकसित भारत संकल्प यात्रा को संबोधित करते हुए चार जातियों का उल्लेख किया था। उनकी नजर में अब चार जातियां हैं, गरीब, युवा, महिला और किसान हैं, जिन पर उनका पूरा ध्यान है। कहना न होगा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में इन चारों जातियों को लेकर तमाम योजनाएं बनाई और शुरू की गई हैं। वहीं बुनियादी ढांचा के विकास, पिछड़ी जातियों, दलितों, आदिवासियों को लेकर भी कई योजनाएं मंजूर की गई हैं। मोदी सरकार ने अपने पहले सौ दिन के कार्यकाल में कानून व्यवस्था को सुधारने, भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति को आगे बढ़ाने के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मोर्चे पर कई कदम उठाए हैं। जहां तक बुनियादी ढांचे के विकास की बात है तो मोदी सरकार ने अपने पहले सौ दिन के कार्यकाल में सड़क विकास, रेल मार्ग, हवाई सेवा और बंदरगाह के विकास को लेकर तीन लाख करोड़ की योजनाओं को स्वीकृति दी है। इस दौरान आठ हाई स्पीड कारीडोर बनाने की मंजूरी दी गई है। जाहिर है कि अगर ये योजनाएं जमीनी हकीकत बनीं तो जहां लाखों नए रोजगार का सृजन होगा, वहीं कारोबार को नई गति मिलेगी और किसानों को उनकी उपज के बाजार तक सीधी और तीव्र पहुंच मिलने का योग बनेगा। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में ही देशभर के पात्र किसानों को किसान सम्मान निधि की उन्नीसवी किश्त जारी की गई, जिसके तहत नौ लाख तीस हजार किसानों के खाते में बीस हजार करोड़ की रकम सीधे पहुंचाई गई है। मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले सौ दिनों में पर्यावरण केंद्रित ऊर्जा संरक्षण और उत्पादन की दिशा में भी बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत देश के पूर्वोत्तर इलाके में 41 सौ करोड़ की लागत से पनबिजली, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा की योजनाएं मंजूर की हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन भी चालू किया गया है। मोदी सरकार का दावा है कि उसने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले सौ दिनों में मध्यम वर्ग को भी बहुत राहत दी है। अब सात लाख तक की आय पर टैक्स नहीं लेने का फैसला किया गया है। वहीं मानक कर कटौती की सीमा 75 हजार कर दी गई है। जबकि पारिवारिक पेंशन की छूट का दायरा 25 हजार किया गया है। हालांकि इसका फायदा अगले वित्त वर्ष से ही मिल सकेगा। वैसे यहां एक बात और ध्यान रखने की है कि मध्य वर्ग ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में कर छूट में और वृद्धि की उम्मीद लगाए बैठा था। मानसून के दौरान भारी बारिश के चलते खाद्यान्न और सब्जियों की महंगाई ने मध्यम वर्ग पर नया बोझ भी बढ़ाया है। जिसकी तरफ अभी सरकारी तंत्र का ध्यान नजर नहीं आ रहा। मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल में 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' यानी कारोबार को सहज एवं आसान बनाने की दिशा में भी बड़ी पहल की है। देश में विदेशी निवेश बढ़ सके, इस दिशा में सरकार ने विदेशी कंपनियों के लिए कारपोरेट टैक्स को चालीस प्रतिशत से घटाकर 35 प्रतिशत कर दिया है। इसके साथ ही अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्टअप के लिए एक हजार करोड़ के वेंचर कैपिटल फंड का प्रावधान भी किया गया है। मोदी सरकार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास की ओर भी ध्यान दिया है। इसके तहत 23 अगस्त को पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाना शुरू किया गया है। इसी दिन पिछले साल चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत का मिशन सफल हुआ था। इसके साथ ही गुजरात के साणंद में सेमीकंडक्टर इकाई लगाई गई है। मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले सौ दिन में महिलाओं के लिए जहां दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत दस करोड़ महिलाओं को संगठित करके 90 लाख स्वयंसहायता समूह बनाने का

लक्ष्य पूरा किया है, वहीं 11 लाख नई लखपति दीदियों प्रमाण पत्र दिया है। मोदी सरकार ने इस अवधि में आदिवासियों की सामाजिक स्थिति में सुधार को लेकर भी कदम उठाए हैं। आदिवासी समुदाय के लिए जारी नमस्ते योजना का विस्तार किया गया है। वहीं साठ साल से अधिक उम्र वाले दिव्यांग लोगों को एक लाख 17 हजार नए दिव्यांग कार्ड दिए गए हैं। भारत युवाओं का देश है। उनमें बेरोजगारी भी है। इसे ध्यान में रखते हुए मोदी सरकार ने अपने इस कार्यकाल में दो लाख करोड़ के प्रधानमंत्री पैकेज का ऐलान किया है, जिसका इस्तेमाल रोजगार को बढ़ावा देने के साथ ही कौशल विकास में किया जा रहा है। इसके साथ ही एक करोड़ युवाओं को देश की प्रमुख कंपनियों में एक साल के लिए इंटर्नशिप का अवसर भी दिया जा रहा है। युवाओं और खिलाड़ियों को ध्यान में रखते हुए 'खेलो इंडिया' के तहत नई योजना शुरू की गई है। इसके साथ ही कर्मचारी प्रोविडेंड फंड संगठन की व्यवस्था में भी सुधार किया गया है। भारत इतना विशाल है कि कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ तो कहीं भूस्खलन तो कहीं भूकंप तो कहीं तूफान आदि आपदाएं आती रहती हैं। इस दिशा में काम करते हुए मोदी सरकार ने 2005 के आपदा प्रबंधन संशोधन अधिनियम में सुधार का प्रस्ताव रखा है। इसी तरह वक्फ संशोधन विधेयक संसद में पेश किया जा चुका है, जिस पर संसद की संयुक्त समिति विचार कर रही है। मोदी सरकार ने स्वास्थ्य सेवा को सुलभ और सहज बनाने की दिशा में भी इस अवधि में काम किया है। जिसके तहत साढ़े चार करोड़ परिवारों को छह करोड़ उन नागरिकों को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया गया है, जिनकी आयु सत्तर वर्ष से ज्यादा हो चुकी है। इसके साथ ही मेडिकल की पढ़ाई को बढ़ावा देने के लिए 75 हजार सीटें बढ़ाई गई हैं। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में उत्तर पूर्व के आतंकी संगठनों एनएलएफटी और एटीटीएफ के साथ शांति समझौता किया है। साइबर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पांच साल में पांच हजार साइबर सुरक्षा कमांडो तैनात करने का भी फैसला लिया गया है। हालांकि सुरक्षा के मोर्चे पर मोदी सरकार के लिए मणिपुर अब भी चिंता की वजह बना हुआ है, जहां अभी तक शांति नहीं लाजा सकी है। रह–रहकर वहां हिंसा भड़क रही है। कानून व्यवस्था को सुधारने की दिशा में अंग्रेजों के जमाने के कानूनों को बदलकर भारतीय न्याय संहिता समेत तीन कानून देशभर में एक साथ एक जुलाई से लागू किए जा चुके हैं। तीसरे कार्यकाल के सौ दिनों की अवधि में विदेश नीति के मोर्चे पर भारत सरकार ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसी दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जहां यूक्रेन और रूस दृदोनों ही देशों की यात्रा की, वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने फिजी व तिमोर का दौरा किया। फिजी अब अपनी आर्थिक जरूरतों के लिए भारत की तरफ देख रहा है। मोदी ने खनिज तेल से समृद्ध देश ब्रूनई का दौरा किया, जिसे भारत की ऊर्जा जरूरतों के संदर्भ में बेहतर कूटनीतिक कदम माना गया है।

आतंकी हमले मतदाताओं को रोकने में विफल

आदित्य

हाल ही में हुए आतंकी हमलों के बावजूद जम्मू संभाग के किश्तवाड़ जिले में भारी मतदान हुआ। जिले के इंद्रवाल निर्वाचन क्षेत्र में शाम पांच बजे तक 80.06 प्रतिशत मतदान हुआ। जिले के अन्य दो निर्वाचन क्षेत्रों – किश्तवाड़ और पद्दर–नागसेनी में क्रमशरू 80.14 प्रतिशत और 76.80 प्रतिशत मतदान हुआ। जम्मू–कश्मीर के कुल 24 निर्वाचन क्षेत्रों में से आठ पर जम्मू संभाग में मतदान हुआ। जम्मू संभाग श्रंउउन क्पअपेपवद के तीन पर्वतीय जिलों के आठ निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कश्मीर संभाग की तुलना में अधिक रहा। इन तीन जिलों के कई दूरदराज के इलाकों तक केवल पैदल ही पहुंचा जा सकता है। डोडा जिले में भद्रवाह में 65.27 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि डोडा में 71.34 प्रतिशत मतदान हुआ। डोडा पश्चिम में 74.14 प्रतिशत मतदान हुआ। रामबन निर्वाचन क्षेत्र में 70.55 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि बनिहाल में 68 प्रतिशत वोट पड़े। डोडा, किश्तवाड़ और रामबन जिलों को सामूहिक रूप से चिनाब घाटी कहा जाता है। इन सभी जिलों में मतदाताओं की लंबी कतारें लगी हुई थीं, जहां पहले चरण के चुनाव में मतदान हुआ था। सभी आठ सीटों पर भाजपा, कांग्रेस–एनसी और निर्दलीय उम्मीदवारों के बीच बहुकोणीय मुकाबला देखने को मिला। इंदरवाल निवासी यूसुफ शफी मीर ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में 10 साल के अंतराल के बाद चुनाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा, लोग नौकरशाही से तंग आ चुके हैं और चाहते हैं कि उनके अपने लोग सरकार चलाएं। यही कारण है कि क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें देखी गईं। हम बदलाव चाहते हैं ताकि सरकार हमारी बात सुने। इंदरवाल निर्वाचन क्षेत्र, जहां सबसे अधिक मतदान हुआ, में जीएम सरूरी के रूप में एक एक्स–फैक्टर है, जो इस सीट से तीन बार विधायक रह चुके हैं। वह एक पूर्व कांग्रेस नेता हैं, जो डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) में शामिल हो गए थे, लेकिन इस बार निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस से मोहम्मद जफरुल्लाह और भाजपा से तारक हुसैन कीन इस सीट से अन्य दावेदार हैं। डोडा सीट पर आप उम्मीदवार मेहराज मलिक के साथ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के उम्मीदवार अब्दुल मजीद वानी भी हैं। इस सीट पर एनसी और कांग्रेस के बीच दोस्ताना मुकाबला भी देखने को मिला।

खालिद नजीब सुहरवर्दी एनसी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे थे, जबकि शेख रियाज अहमद कांग्रेस से चुनाव लड़ रहे थे। यह उन सीटों में से एक है, जहां पांच–कोणीय मुकाबला देखने को मिला, क्योंकि भाजपा उम्मीदवार गजय सिंह राणा भी प्रभावशाली हैं। बनिहाल निर्वाचन क्षेत्र से विकार रसूल वानी कांग्रेस के उम्मीदवार थे, जबकि सजाद शाहीन एनसी के उम्मीदवार थे। जम्मू–कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पांडुरंग के पोल ने कहा कि किश्तवाड़, डोडा और रामबन जिले में कई दूरदराज के इलाके हैं, जहां से मतदान दलों को स्वागत केंद्रों पर लौटने में समय लगता है। "उम्मीद है कि मतदान दलों के वापस लौटने के बाद मतदान प्रतिशत में मामूली वृद्धि होगी। सीईओ ने कहा, ष्आंकड़ों में सुधार की संभावना है।ष पिछले एक साल में डोडा और किश्तवाड़ में कई आतंकी हमले और मुठभेड़ें हुई हैं। यह क्षेत्र तुलनात्मक रूप से शांतिपूर्ण था, लेकिन अब यह सुरक्षा बलों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

एक–दूसरे की बात ज्यादा सुनने की कोशिश करें

विनोद

भले ही हम एक लोकतंत्र हैं, हममें से कई लोगों को लगता है कि हमारी आवाज शायद ही कभी सुनी जाती है, सिवाय इसके कि जब हम ताकतों से जुड़ते हैं और सत्ता में बैठे लोगों द्वारा सुनी जाने वाली आवाज को सुनने का प्रयास करते हैं। अन्यथा, यह केवल राजनीतिक नेताओं की आवाज होती है जो उबकाई से भरी होती है आज, ऐसा लगता है कि हम सुनना भूल गए हैं। अजीब बात है, प्रौद्योगिकी ने इस घटना में योगदान दिया है। छात्रों का कहना है कि उन्हें शुष्क व्याख्यानों पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल लगता है। वे स्क्रीन पर रंगीन छवियों को देखने के साथ–साथ बोल्ड कैप्शन और संक्षिप्त स्पष्टीकरण देखने के आदी हो गए हैं। वक्ता की आवाज को खुशी से अनदेखा कर दिया जाता है। जैसे–जैसे समय बीतता है, मुझे लगता है कि हमें सुनने और सुने जाने दोनों के लिए एक विशेष प्रयास करना चाहिए। यह तभी हो सकता है जब हम दूसरे व्यक्ति की बात में रुचि रखते हों। स्कूल की बहसों में मैंने देखा है कि वक्ता केवल अपने दृष्टिकोण में रुचि रखते हैं और अपने विरोधियों का तीखे व्यंग्य से उपहास करते हैं सामाजिक समारोहों में भी, हम देखते हैं कि लोग बहस करते हैं (हम भारतीयों को बहस करना बहुत पसंद है) और हर कोई दूसरे पर चिल्लाने में व्यस्त रहता है। और कोई भी इसलिए नहीं मानता क्योंकि किसी को भी दूसरे व्यक्ति की बातों में कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे लगता है कि हम वास्तव में छोटे बच्चों की बातों को नहीं सुनते। हमें यह जानकर आश्चर्य होगा कि वे कभी–कभी किस तरह की समझदारी दिखाते हैं। हम शिक्षक बस "सही" जवाब सुनने का इंतजार करते हैं। बच्चों की बातों को ध्यान से सुनना बेहद समृद्ध करने वाला होता है। हाल ही में, मैंने शिक्षकों के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया, जिसका नाम मैंने "आपके विचार मायने रखते हैं" रखा। बेशक, मुझे अपने विचार देने से पहले कई विषयों पर उनके विचार जानने पड़े। मुझे निराशा हुई कि ज्यादातर शिक्षकों ने अलग–अलग विचार नहीं दिए। हालॉकि, यह देखकर खुशी हुई कि कई शिक्षक अपने व्यक्तिगत विचार व्यक्त करने के लिए उत्सुक थे। आम तौर पर, हर कोई सुन रहा था, लेकिन ऐसा इसलिए था क्योंकि वे जानते थे कि जो कहा जा रहा था, उस पर उनसे सवाल पूछे जा सकते हैं। उसी सत्र में एक दिलचस्प केस स्टडी ने अप्रत्याशित प्रतिक्रिया दी। मैंने उपस्थित शिक्षकों के समक्ष अपने विद्यालय का एक परिदृश्य प्रस्तुत किया, जिसमें कक्षा में एक अकेली मुस्लिम लड़की थी और एक अवसर पर मैंने उससे पूछा कि क्या उसके सहपाठियों ने कभी उसे "अलग" महसूस कराया है। मैंने शिक्षकों से पूछा कि क्या मुझे ऐसा प्रश्न पूछना चाहिए था। एक शिक्षक मेरे प्रश्न से बिल्कुल भी सहज नहीं थे। उन्होंने कहा, "आपको कक्षा के बाकी छात्रों से पूछना चाहिए था!" (दूसरे शब्दों में, अकेली लड़की को आत्म–चेतन क्यों बनाना है?) संयोग से, बाकी छात्र मुझसे नाराज थेय उनका विचार था कि जब सब कुछ शांतिपूर्वक चल रहा था, तो संवेदनशील मुद्दे को उठाने की कोई जरूरत नहीं थी। खैर, मेरा मानना घ्है कि अगर आप इसके बारे में बात नहीं कर सकते हैं तो कुछ गंभीर गड़बड़ है और इसलिए हमें बहुत ध्यान से सुनना चाहिए। मुझे लगा कि मेरा कर्तव्य सभी की बात सुनना था। हमारे देश में, अलग–अलग आवाजें निश्चित रूप से नहीं सुनी जाती हैं और कई लोग अपनी राय व्यक्त करने में संकोच करते हैं। हम चौबीसों घंटे पार्टी के प्रवक्ताओं के साथ–साथ हर शाम टेलीविजन स्क्रीन पर बात करने वालों को सुनकर थक चुके हैं। राजनीतिक नेताओं को, खास तौर पर, लोगों की नब्ज, उनकी परेशानियों और सबसे महत्वपूर्ण बात, उनकी इच्छाओं को समझने के लिए जमीनी स्तर पर काम करना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री नियमित रूप से अपने मन की बात प्रसारित करते हैं।

एक देश एक चुनाव – सपना जितना लुभावना उतना ही मुश्किल भी

जयसिंह

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित एक राष्ट्र एक चुनाव विषय को लेकर गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की रिपोर्ट को स्वीकार करने के बाद अब इस मुद्दे पर संवैधानिक प्रक्रियाएं शुरू होने के साथ ही व्यापक राष्ट्रीय चर्चा शुरू हो जाएगी। कोविन्द समिति की सिफारिशों के अनुसार ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' का युगान्तरकारी उद्देश्य दो चरणों में लागू होना है, जिसमें पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा का निर्वाचन एक साथ कराना और दूसरे दूसरे चरण में आम चुनावों के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय के लिए निर्वाचन (पंचायत और नगर पालिका) कराना शामिल है। सिफारिशों के अनुसार सभी निर्वाचनों के लिए एकसमान मतदाता सूची बनगी और राष्ट्रव्यापी चर्चा के बाद एक कार्यान्वयन समूह को गठन होगा।

बैसाखियों पर खड़ी सरकार के लिए मुश्किलें कम नहीं

एक साथ नगर निकायों से लेकर संसद के चुनाव कराने की प्रक्रिया

को कुछ आसान बनाने के लिए ही इस सम्पूर्ण संवैधानिक और राजनीतिक कसरत को दो भागों में बांटा गया है। अब देखना यह है कि मोदी सरकार का यह अति महत्वाकांक्षी सपना किस तरह साकार होता है, क्योंकि ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' का नारा जितना लुभावना लगता है उतना आसान कतई नहीं है। इसके लिए महत्वपर्ण संविधान संशोधनों के साथ ही राष्ट्रीय सहमति की भी महती आवश्यकता है और विपक्ष से और कम से कम विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस से इस विचार को समर्थन मिलने की संभावना को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरके ने सिरे से खारिज कर दिया है। इस समय पक्ष और विपक्ष जानी दुश्मन का जैसा व्यवहार कर रहे हैं। भाजपा अपने बलबूते पर नहीं बल्कि सहयोगी दलों के समर्थन से सत्ता में है। हाल ही में मोदी सरकार को जिस तरह कुछ निर्णयों को लेकर बैकफुट पर आना पड़ा उससे सरकार के एक साथ चुनाव कराने की महत्वांकाक्षी योजना के भविष्य पर सवाल उठना स्वाभाविक ही है। इधर, फिर भी आशावादी विचारकों और खास कर भाजपा समर्थकों का मानना है कि जब मोदी सरकार पिछले कार्यकाल में धारा 370 को हटाने का जैसा बहुत ही टेढ़ा काम कर सकती है तो यह भी कर लेगी। मोदी सरकार को अपनी मजबूती साबित करने के लिए भी यह जटिल कार्य करना पड़ रहा है।

संवैधानिक संशोधन और कानूनी बदलाव की आवश्यकता

भारत के संविधान में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर एक साथ चुनाव का प्रावधान नहीं है। इस विचार को धरातल पर उतारने के लिए संविधान में संशोधन के लिए राजनीतिक सहमति और एक लंबी प्रक्रिया की आवश्यकता होगी। राज्य विधान सभाओं और लोकसभा के लिए निश्चित शर्तें समकालिक नहीं हैं। इन शर्तों के समन्वय के लिए दोनों स्तरों पर संवैधानिक संशोधन और कानूनी बदलाव की आवश्यकता होगी। संविधान के जानकारों के अनुसार इसके लिए कम से कम संविधान के 5 अनुच्छेदों में संशोधन करना पड़ेगा। अनुच्छेद 83 खंड (2) के तहत लोकसभा का कार्यकाल ठीक 5 साल तय किया गया है। संसद के सत्र के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 85 में प्रावधान किया गया है। भारत में किसी राज्य की विधानसभा का कार्यकाल संविधान के अनुच्छेद 172 द्वारा निर्धारित किया गया है। यह अनुच्छेद निर्दिष्ट करता है कि राज्य विधान सभा का सामान्य कार्यकाल पांच वर्ष होगा। लेकिन इसे कुछ परिस्थितियों में राज्य के राज्यपाल द्वारा पहले भी भंग किया जा सकता है, जैसे कि जब विधानसभा बहुमत का विश्वास खो देती है या जब राज्यपाल इसके विघटन की सिफारिश करता है। संविधान आपातकाल की घोषणा की स्थिति में विधानसभा के कार्यकाल के विस्तार की भी अनुमति देता है। इसी अनुच्छेद में प्रावधान है कि जब आपातकाल् की उद्घोषणा प्रवर्तन में है, तब संसद विधि द्वारा ऐसी अवधि एक बार में एक वर्ष तक बड़ा सकेगी और उद्घोषणा के प्रवर्तन में न रह जाने के पश्चात् किसी भी दशा में उसका विस्तार छह मास की अवधि से अधिक नहीं होगा। राज्य की संवैधानिक मशीनरी के खराब होने की स्थिति में केंद्र सरकार अनुच्छेद 356 में प्रदत्त शक्ति का उपयोग कर राज्य के प्रशासन का नियंत्रण ग्रहण करता है। इस अनुच्छेद को "राष्ट्रपति शासन" भी कहा जाता है। लेकिन अब इस अनुच्छेद का इस्तेमाल आसान नहीं रह गया है। केंद्र शासित प्रदेशों, जिनकी अपनी विधान सभाएं नहीं हैं, की विशिष्ट स्थिति को समायोजित करने के लिए भी आवश्यक प्रावधान करने होंगे। अनुच्छेद 324 में संशोधन कर एक साथ चुनावों के समन्वय के लिए चुनाव आयोग को अतिरिक्त अधिकार और जिम्मेदारियों के साथ सशक्त बनाना होगा ताकि आयोग समय से पहले बिना राज्य सरकार की सहमति से भी चुनाव तिथियां घोषित कर सके। आजादी के बाद पहले चुनाव से लेकर 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए गए। लेकिन दलबदल, राजनीतिक अस्थिरता तथा अनुच्छेद 356 के बार–बार इस्तेमाल के कारण एक साथ चुनाव का क्रम टूटता गया। अविश्वास प्रस्ताव के जरिए राज्य सरकारें समय से पहले गिरती रही है और खण्डित जनादेश के कारण विधानसभा नई बहुमत की सरकार चुनने की स्थिति में नहीं रहीं। अब अविश्वास प्रस्तावों और विधान सभाओं के विघटन से संबंधित प्रासंगिक प्रावधानों में संशोधन की आवश्यकता भी होगी। चुनाव के समय में बदलाव के लिए दसवीं अनुसूची में संशोधन भी करना होगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारत में संवैधानिक संशोधनों के लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो–तिहाई बहुमत और कम से कम आधे राज्य विधानमंडलों द्वारा समर्थन की आवश्यकता होती है। ऐसी आम सहमति हासिल करना और संविधान में सफलतापूर्वक संशोधन करना एक लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है।

बेसहारा पशुओं के लिए जनपद में बृहद गौशाला खोले जाने की तैयारी की गई है - ओम प्रकाश श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद में बेसहारा पशुओं को पौष्टिक आहार के साथ ही बेहतर रख रखाव का समुचित प्रबंध किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक

ब्लॉक में एक वृहद गौशाला खोलने के लिए कम से कम एक हेक्टेयर जमीन उपलब्ध कराने के लिए उपजिलाधिकारी को पत्र भेजा गया है। इसके अलावा हरे चारे के लिए भी सरकारी भूमि चिन्हित कराई जा रही है। वर्तमान में पांच वृहद गौशाला संचालित है। चार का निर्माण चल रहा है। बेसहारा पशुओं को आश्रय देकर फसलों की सुरक्षा का फरमान योगी सरकार ने दिया है। कड़ी चेतावनी के बाद भी अभी तक किसानों को निजात नही मिल रही है। झुंड के झुंड खेतो में पहुंचकर बेसहारा पशु फसलों को निवाला बना रहे है। किसानों को समस्या से निजात के लिए सरकार गम्भीर है। इसके लिए अधिक से अधिक वृहद गौशाला खोलने की तैयारी है। प्रमुख सचिव पशुधन के निर्देश पर सभी विकास खंडों में कम से कम एक –एक वृहद गौशाला खोलने के लिए जमीन की तलाश की जा रही है। इसके लिए जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारीयों को पत्र भेजकर सभी ब्लाकों में कम से कम एक हेक्टेयर भूमि को चिन्हित करने का आदेश दिया है। कहा है कि वृहद गौ सरंक्षण केंद्र के लिए भूमि को अधिग्रहित कर पशुपालन विभाग के नाम खतौनी पर अंकित कराए। इस मामले में जानकारी देते हुए मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि वृहद गौशाला में पशुओं के लिए तमाम सुविधाएं प्रदान की गई है जिसमें, 42 हेक्टेयर में हरे चारे की हुई बोआई चार गोवंश शेड,एक भूसा गोदाम, कार्यालय कक्ष, औषधि कक्ष, स्टोर ,तीन चरागाह,एक सोलर पंप व वाटर पाइप लाइन। गो सरंक्षण केंद्रों पर रखे गए गोवंशों को पर्याप्त हरे चारे की व्यवस्था के लिए सरकारी जमीन अधिग्रहित करने का आदेश है। इसके लिए प्रदेश मुख्यालय से लेकर जिला मुख्यालय तक बैठकों में आदेश निर्देश दिए जाते है। इसके बाद भी राजस्व कर्मियों ,ग्राम प्रधानों सहित जिम्मेदार लोगों के रुचि न लेने के कारण पर्याप्त जमीन नही मिल पाई। 14129 बेसहारा पशु वर्तमान में सरंक्षित है। इसके लिए महज 42 हेक्टेयर में ही हरा चारा बोया गया है। यह एरिया बेसहारा पशुओं की संख्या के हिसाब से काफी कम है।

जिनके पास भोजन पकाने की व्यवस्था नहीं उन्हें पका भोजन उपलब्ध कराया – आशीष सिंह

हरदोई(अम्बरीष सक्सेना) विधायक बिलग्राम–मल्लावां आशीष सिंह आशू व जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने गंगा के बढ़े जल स्तर से प्रभावित बिलग्राम के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण किया। उन्होंने मोटरबोट से जाकर कटरी बिछुइया, चिरंजी पुरवा व मक्कू पुरवा में बाढ़ की स्थिति को देखा तथा लोगों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा अपने सामने बाढ़ राहत किट का वितरण कराया किट में लोगों को खाद्य सामग्री उपलब्ध करायी गयी।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि जिन लोगों पास भोजन पकाने की व्यवस्था नहीं बची है उन्हें पका भोजन उपलब्ध कराया गया। राजस्व विभाग के साथ ही स्वास्थ्य एवं पशुपालन विभाग की टीमें भी सक्रिय नजर आयीं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए सम्बंधित ग्रामों के सचिव व लेखपाल सहित राहत कार्य से जुड़े सभी अधिकारी व कर्मचारी लगातार प्रभावित क्षेत्रों में रहें। स्वास्थ्य विभाग की टीम को उन्होंने निर्देश दिए कि बीमार लोगों को तत्काल दवा उपलब्ध करायी। पशुपालन विभाग को निर्देश दिया कि पशुओं के लिए भूसे चारे आदि का पर्याप्त प्रबंध रखा जाये तथा पशु के बीमार होने पर तत्काल इलाज किया जाये। गाँव के लोग प्रशासनिक व्यवस्थाओं से काफी खुश दिखे। जिलाधिकारी ने कहा कि कल से जल के स्तर में कमी आएगी।यह स्तर अभी स्थिर है। विधायक ने कहा कि सरकार बाढ़ प्रभावितों की पूरी सहायता कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ में लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बिलग्राम राकेश सिंह, तहसीलदार बिलग्राम अमित कुमार व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष संचारी रोग व दस्तक अभियान- गांव व नगर में चलेगा सफाई अभियान, दूर होगी गंदगी - डा. दीक्षा जोशी

हरदोई (अम्बरीष सक्सेना) शाहाबाद उप जिलाधिकारी डॉ दीक्षा जोशी ने तहसील सभागार में एक से 31 अक्टूबर तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 से 31 अक्टूबर के मध्य दस्तक अभियान को लेकर अंतर्विभागीय समन्वय की बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान उप जिलाधिकारी ने संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी समयबद्ध ढंग से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, डायरिया आदि संचारी रोगों से जुडेघ मामलों की आशंका को देखते हुए क्षेत्र में अन्तर्विभागीय समन्वय से युद्धस्तर पर अभियान को आगे बढ़ाया जाए। उपजिलाधिकारी ने कहा कि नगरीय एवं ग्रामीण तालाबों, नालों व नालियों में एण्टी लार्वा का छिड़काव तथा कूड़े का निस्तारण ठीक ढंग से किया जाए। निगरानी समितियां डोर–टू–डोर सर्वे करें और यदि कोई बच्चा बुखार आदि से ग्रसित है, तो उसे मेडिसिन किट उपलब्ध कराएं। साथ ही, महिलाओं तथा कुपोषित बच्चों को पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाए।नगरीय व ग्रामीण स्तर पर संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु तालाबों/नालों व नालियों की साफ–सफाई सुनिश्चित की जाए। ब्लॉक स्तरीय कार्ययोजना बनाते समय सीएचसी के अधीक्षक, सीडीपीओ व अन्य सम्बन्धित अधिकारी बैठक करते हुए कार्ययोजना बनाएं। सी एच सी अधीक्षक डॉ. जोशी ने की। जिसमें ब्लाक शाहाबाद टोडरपुर पिहानी के समस्त विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।डॉ एम.पी. जायसवाल, बी.डी.ओ. सुश्री काजल शाहाबाद,खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल झा ,पशु चिकित्साधिकारी रघुवीर सिंह, ईओ शाहाबाद आर आर अंबेश ,पिहानी

प्रवीण कुमार दीक्षित ने बताया कि सभी डॉक्टर, चिकित्सा कर्मी, आशा, एएनएम पूरी जिम्मेदारी के साथ अभियान पर काम करें। तहसील टास्क फोर्स बैठक एवं संचारी रोग नियंत्रण एवम् दस्तक अभियान , टी.डी.डी.पी.टी. अभियान बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी डॉ दीक्षा ई ओ,सीडीपीओ राजेंद्र कुमार शाहाबाद , ब्लाक मोबिलाइजेशन कोऑर्डिनेटर यूनिसेफ अभय सिंह, अंकित मिश्रा, डब्लू एच ओ पंकज अस्थाना, अरविंद कुमार सिंह, हेल्थ सुपरवाइजर सुनिल कुमार , ए आर ओ रूपेश वर्मा आदि संबंधित अधिकारी एवम् कर्मचारी उपस्थित रहे।

मृतक दुखीराम मामले में दोषी पुलिस कर्मियों को मिले सजा – अवधेश प्रसाद

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। थाना रौनाही क्षेत्र के हाजीपुर भरसेंडी निवासी मृतक दुखीराम के परिजनों को शासन द्वारा पचास लाख रुपए, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई, पीड़ित के पुत्र या फिर उनके पत्नी को सरकारी नौकरी तथा कोटा पीड़िता को दिया जाये।यह मांगे सपा कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान सांसद अवधेश प्रसाद ने कही।उन्होंने कहा कि 22 सितंबर को सपा कार्यकर्ता उनके नेतृत्व में मृतक के गांव हाजीपुर भरसेंडी जाकर वहां पर शोक सभा करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले इस मामले में दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई तथा पीड़िता के मांगों को शासन द्वारा पूरी कर दी जाएगी।उन्होंने बताया कि पीड़िता द्वारा लगाये गये आरोप से ऐसा लग रहा है कि भाजपा शासन में पूरी तरह से पुलिस निरंकुश बन गई है।जो भाजपा शासन के इशारे पर गरीब तबके के लोगों का शोषण करने मे लगी है।जिसका जीता जागता उदाहरण रौनाही थाना क्षेत्र के हाजीपुर भरसेंडी निवासी मृतक दुखीराम के साथ दिखाई दिया। मृतक के परिजनों के मुताबिक उसने कोटा चयन बैठक में इतना ही पूछा था कि जब पहले कोटा एससी के लिये आरक्षित था तो सामान्य में कैसे हो गया।जिसका खामियाजा उसे अपनी जान देकर चुकाना पड़ा।उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में सिर्फ दबे कुचलें लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। इस मौके पर पूर्व सपा विधायक जयशंकर पाण्डेय,सपा जिलाध्यक्ष पारस नाथ यादव, लीलावती कुशवाहा, राघवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ अनूप,छेदी सिंह, बलराम यादव सहित कई सपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

अपनी मांगों को लेकर मृतक के परिजन ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

अयोध्या। थाना रौनाही क्षेत्र के हाजीपुर भरसेंडी निवासी मृतक दुखीराम पुत्र स्वर्गीय राम अवतार के मृत्यु पर मृतक के परिजनों ने तहसील सदर पर अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए।जिनको लेकर जिला व पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूल गए।इस मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। घटना की सूचना मिलने पर सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार मिश्र व सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने मौके पर पहुंच गए।इन दोनों अधिकारियों के काफी मान–मनौव्वल के बाद व उनकी मांगों का आश्वासन देने पर ही मृतक के परिजन धरने से उठे। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए मृतक की पत्नी जगमता ने बताया कि बुधवार को दोपहर एक बजे कोटे की चयन को लेकर बैठक चल रही थी। आरोप के मुताबिक इस दौरान उनके पति मृतक दुखीराम ने विरोध किया कि तो वहां पर मौजूद थानाध्यक्ष रौनाही पंकज सिंह ने दुर्व्यवहार करते हुए धक्का दे दिया।जिसके चलते वे बेहोश होकर गिर गये।मृतक की पत्नी ने बताया कि उन्हें आनन–फानन में जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां शाम को उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि पुलिस विपक्षी काली प्रसाद के पक्ष में दुर्व्यवहार किया। जिसके चलते उनके पति की मृत्यु हो गई।इसी बात को लेकर वह अपनी बेटी व अन्य लोगों के साथ एसडीएम सदर गेट के सामने धरने पर बैठना पड़ा। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके पति की लाश सीधे उनके गांव लेकर चले गए।सिटी मजिस्ट्रेट को दिये गये मांग पत्र मे उनकी मांग कोटा उन्हें मिले, मुख्यमंत्री राहत कोष से उचित मुआवजा मिले तथा इस मामले में दोषी पुलिस कर्मियों के ऊपर उचित कार्रवाई हो।

इस संबंध में सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार मिश्र ने बताया कि उनकी मांगों में दो मांगे जिसमें मृतक के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से उचित मुआवजा व इस मामले में दोषी पाए जाने पर पुलिस कर्मियों के ऊपर कार्यवाही तथा नियम के मुताबिक कोटे के चयन में मृतक के परिजनों को वरीयता दी जाएगी। इस मौके पर जे डी सिंह, पुष्पा, कन्हैया लाल,आशा सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

वन सिटी वन ऑपरेटर के तहत भरवारा एसटीपी प्लांट में हुआ नवनियुक्त अवर अभियंताओं का प्रशिक्षण शिविर

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, नगरीय निकाय निदेशालय, उत्तर प्रदेश द्वारा नवनियुक्त अवर अभियंताओं (जल) का प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 से 21 सितम्बर 2024 तक कराया जाना हैद्य उसी क्रम में आज 94 नवनियुक्त अवर अभियंताओं का प्रशिक्षण शिविर 345 एमएलडी भरवारा एसटीपी प्लांट पर कराया गयाद्य इन पदो पर चयनित नवनियुक्त अवर अभियंताओं को माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किये गए थे। श्रीमती सविता शुक्ला (सहायक निदेशक) स्थानीय निकाय निदेशालय, लखनऊ ने बताया नवनियुक्त हुए अवर अभियंताओं के प्रशिक्षण सत्र 17 सितम्बर से शुरू हुआ हैद्य इसी क्रम में हम सभी नवनियुक्त अवर अभियंताओं को वन सिटी वन ऑपरेटर के तहत सुएज इंडिया द्वारा संचालित भरवारा एसटीपी प्लांट में प्रशिक्षण हेतु लाये हैद्य यहाँ इनके द्वारा संयंत्र की क्रियाशीलता एवं कार्यप्रणाली को

नवनियुक्त अवर अभियंता ने देखा और समझा है जो काफी लाभप्रद है। सुएज इंडिया के परियोजना निदेशक राजेश मठपाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए नगर विकास विभाग में चयनित हुए सभी 94 नवनियुक्त अवर अभियंता (जल) को बधाई दी एवं भरवारा एसटीपी प्लांट में प्रशिक्षण के दौरान सुनिश्चित किया की सभी नवनियुक्त अवर अभियंता को अपशिष्ट जल उपचार और अपशिष्ट जल के बुनियादी ढांचे के बारे में बताया एवं समझाया जाए जिससे आने वाले समय में बेहतर योजना बनाने एवं वर्तमान शहरो के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें। नगर विकास विभाग में चयनित अभ्यर्थी निशा त्रिपाठी ने भरवारा एसटीपी प्लांट की कार्यप्रणाली की प्रक्रिया को समझा एवं भविष्य में जहाँ भी वो कार्य करेंगी उनके करियर में उससे मदद मिलेगी इस प्रशिक्षण शिविर भ्रमण के बाद सभी नवनियुक्त अवर अभियंताओं ने इस पहल की सराहना की उन्होंने कहा ये भ्रमण उनके लिए बहुत ही ज्ञानवर्धक रहा। पूरी प्रक्रिया को विस्तार से बताने एवं समझाने के लिए सभी नवनियुक्त अवर अभियंताओं ने सुएज इंडिया की टीम का आभार व्यक्त किया।

अज्ञात युवती का शव पेड़ से लटकता पाए जाने पर मचा हड़कंप, पुलिस शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के आदमपुर के पास सड़क किनारे एक बगीचे में एक युवती का शव शुक्रवार को सुबह मिलने से हड़कंप मच गया। सुबह दौड़ लगा रहे युवकों ने युवती का शव देखा और पुलिस को इसके बारे में जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलती है मौके पर पुलिस पहुंचकर शव कब्जे में लेते हुए जांच पड़ताल में जुड़ गई है। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के आदमपुर सड़क किनारे एक बगीचे के पास एक अज्ञात युवती की हत्या के बाद शव को पेड़ से लटका दिया गया है। युवती के मुहँ पर खून के निशान थे। सुबह करीब 7 बजे दौड़ लगा रहे युवकों ने शव देखकर पुलिस को जानकारी दी। शव लटकाए जाने की सूचना मिलते ही वहां लोगों की भीड़ उमड़ गई। हालांकि वहां उपस्थित लोगों द्वारा युवती की पहचान नहीं की जा सकी है।घटना की जानकारी होने थाना प्रभारी सरायख्वाजा मौके पर पहुंचे। उन्होंने मामले की जानकारी ली। पुलिस ने आसपास के लोगों को युवती का फोटो दिखाकर शिनाख्त के प्रयास किए। लेकिन किसी ने भी पहचान नहीं की। पुलिस में शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इस मामले में पूछे जाने पर थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका महिला की उम्र करीब 18 से 22 वर्ष प्रतीक हो रही है। संभावना है कि महिला ने आत्महत्या किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत के कारण का पता चलेगा। लोगों से पूछा गया लेकिन कोई पहचान नही कर पाया है। फिलहाल जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई है अन्य विधि कार्रवाई की जा रही है। उसे संबंध में जानकारी देती है शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया सुबह आदमपुर में एक महिला की लाश पाए जाने की सूचना मिली थी पुलिस मौके पर पहुंचे कर शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा कर पोस्टमार्ट के लिए भेज दिया है शव की पहचान नहीं हो पाई है। मामला हत्या का है या आत्महत्या का पीएम रिपोर्ट के बाद पता चल पाएगा अन्य विधि कार्रवाई की जा रही हैं।

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती का जोरदार स्वागत किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

पटना। समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती समाजवादी पार्टी प्रदेश कार्यालय पटना बिहार पहुंचे ,वहाँ पर मौजूद बिहार प्रदेश के जिम्मेदार साथियों से मुलाकात कर विचार विमर्श किया। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती का जोरदार स्वागत किया। बैठक में शामिल हुए साथियों से कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पूरे देश में पीडीए आन्दोलन चलेगा। साथ ही बाबा साहब डा.अम्बेडकर और डा. राम मनोहर लोहिया जी के विचारों का भारत बनाने के लिए अखिलेश यादव का साथ देने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार संविधान व लोकतंत्र की हत्या कर रही है तथा आरक्षण पर डाका डाल रही है।आरएसएस भाजपा एक सोची समझी रणनीति के तहत काम कर रहे है बहुजन समाज में फूट

डालो–राज करो की साजिश चल रही है। बहुजन समाज को सावधान होने की जरुरत है। यह जानकारी समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव राम बाबू सुदर्शन ने दी

बैठक में प्रमुख रूप से नययर हुसैन, देवेन्द्र यादव, अम्बेडकर वाहिनी की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती स्नेहा चौधरी, छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष सुरज यादव, वरुण सिंह रॉकी, अशोक चमार, धर्मवीर यादव, कमलबास राजभर, राजेश सिंह, गायत्री यादव,आशा पासवान, रवि कुमार, चितरंजन कुमार, रविन्द्र मिस्त्री , बच्चू पासवान, सुशील कुमार यादव, पप्पू यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 द्वारा कायस्थ कानक्लैव का आयोजन दिल्ली में 28 सितंबर से

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 2150 द्वारा कायस्थ कानक्लैव 2024 का आयोजन दिल्ली एनसीआर में 28 सितंबर से 2

अक्टूबर तक आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए एक आवश्यक बैठक वरिष्ठ नेता जिला उपाध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव के आवास पर सम्पन हुई। अध्ययता जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने किया संचालन अनुराग श्रीवास्तव ने किया। बैठक को कार्यकरी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने संबोधित करते हुए कहा कि जौनपुर से दर्जनों लोग 27 सितंबर को दिल्ली जायेंगे। उन्होंने कहा कि कायस्थ महासभा हर बार की भाती चित्रगुप्त पूजन पर सभी चित्रगुप्त मंदिरों में श्रृंगार शोभायात्रा पूजन आदि कार्यक्रम करती रहेगी और जहां जहां आयोजन होगा सामिल होगे उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज जौनपुर जागृति हो चुका है सभी क्रार्यक्रम में किसी भी प्रकार का चंदा वसूली नही किया जायेगा जो भी क्रार्यक्रम होगा सभी पदाधिकारी आपसी सहयोग से करेंगे। राष्ट्रीय सचिन राकेश श्रीवास्तव साधु ने कहा कि सामाजिक संगठन को चंदा प्रथा से दूर रहना चाहिए हर संगठन में दर्जनों पदाधिकारियों के सहयोग से बड़ा से बड़ा क्रार्यक्रम किया जा सकता है। वरिष्ठ नेता प्रदीप श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ परिवार को चंदा प्रथा बंद करने की जरूरत है क्योंकि कोई भी कार्यक्रम के आयोजक अपना एक रुपए भी नही देते है और आम कायस्थों के रुपए से कार्यक्रम कर अपना नाम रोशन करते है। मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि चंदे के रुपए का बहुत दुरुप्रयोग किया जाता है इससे बचना चाहिए। सभी संगठन के पदाधिकारी सक्षम है कोई भी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए।बैठक में कई कायस्थ संगठन के पदाधिकारियों ने चंदा प्रथा वसूली बंद करने का समर्थन किया और कहा कि अब संगठन के पदाधिकारियों के आपसी सहयोग से बड़ा से बड़ा प्रोग्राम चित्रगुप्त पूजन किया जायेगा। बैठक में सन्तोष श्रीवास्तव, चंद्रमोहन श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव गिरिजेश श्रीवास्तव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया, अमित श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव, सुमित श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव दीपक श्रीवास्तव पत्रकार संदीप श्रीवास्तव पत्रकार अजय वर्मा, उमेश श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, अनीश श्रीवास्तव सलिल श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव प्रशांत श्रीवास्तव पंकज श्रीवास्तव दया शंकर श्रीवास्तव सन्तोष निगम महेश श्रीवास्तव कुंवर अस्थाना आदि लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भारत सरकार के विशेष पर्यवेक्षक डा0 योगेश दूबे जी द्वारा जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भारत सरकार के विशेष पर्यवेक्षक डॉ0 योगेश दूबे जी द्वारा जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में विशेष पर्यवेक्षक द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम–2016 के अन्तर्गत सभी विभागों में एवं सभी योजनाओं में 04 प्रतिशत आरक्षण दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया है साथ ही बैठक में प्रतिभाग कर रहे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के प्रतिनिधि को दिव्यांग बच्चों के आवश्यकता नुसार एलिम्को से सहायक उपकरण एवं स्मार्ट फोन दिलाये जाने हेतु अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला सेवायोजन अधिकारी के प्रतिनिधि से सेवायोजन पोर्टल पर दिव्यांगजन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों का कितना रजिस्ट्रेशन हुआ है उसका डाटा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

निदेशक राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग वी.के. सिंह ने अधिकारियों के साथ किया बैठक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। निदेशक राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग भारत सरकार श्री वी.के. सिंह के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के अनुसूचित जाति के व्यक्तियों पर घटित उत्पीड़न के विभिन्न थानों में पंजीकृत लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में अधिकारियो के साथ चर्चा की। निदेशक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीडितों के एफआईआर समय से दर्ज किये जाए क्योंकि समय से एफआईआर दर्ज न होने से साक्ष्य नष्ट हो जाते है। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रकरणों में अब तक की गयी कार्यवाही की समीक्षा करते हुए रिपोर्ट मांगी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी मानवता के आधार पर गरीब, मजलूमों को न्याय दिलाने का कार्य करें। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह, उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारीगण उपस्थित रहे।

हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत मॉडल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' नगर के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में कालेज के छात्रध्छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के आयोजक हिंदी प्रवक्ता प्रदीप कुमार मिश्रा के दिशा निर्देशन में बच्चों ने एक से बढ़कर एक मॉडल के माध्यम से हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करने का सराहनीय कार्य किया। बच्चों ने हिंदी के महान कविध्लेखकों के चित्रों एवं हिंदी भाषा से संबंधित स्लोगन को मॉडल के माध्यम से प्रस्तुति देकर यह दर्शाया गया कि वास्तव में हिंदी भाषा ही भारतीय संस्कृति का प्रतीक

के साथ ही हम सबका अभिमान है हिंदी, भारत की शान है हिंदी। आपको बता दें कि सरकार हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करती है इसी क्रम में 01 सितम्बर से 15 सितम्बर को हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी को बढ़ावा देने के लिए राज भाषा हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए वर्ष भर कई समारोहों/प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हिंदी दिवस मनाया जाता है और 01 सितम्बर से 15 सितम्बर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया जाता है। इस अवसर पर कालेज के प्रधानाचार्य डॉ वीपी द्विवेदी,हिंदी प्रवक्ता, राजेश प्रकाश मिश्रा, भौतिक विज्ञान प्रवक्ता विनीत बाबू,सहित शिक्षिका अंजू कश्यप, शिक्षिका अंजिमा कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

रफ्तार का कहर, मोटर साइकिल ने मारी टक्कर, मौत

सुलतानपुर। थाना–धम्मौर अंतर्गत धरमईते पुर बाजार के पास सांय लगभग 7:50 पर हुआ भीषण एक्सीडेंट। एक्सीडेंट में मनोज कुमार (48) वर्ष की मौके पर हुई मौत। स्थानीय लोगों के अनुसार मनोज कुमार अपने पिता स्वर्गीय राम प्रकाश का एकलौता पुत्र था, जो की ठेला चला कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था और अपने घर से धम्मौर बाजार से रोजमर्रा का सामान खरीद कर लौटा था, लौटते समय ही ध ारमइते पुर बाजार के पास जैसे वह पहुंचा ही था कि धम्मौर बाजार से सुल्तानपुर की तरफ जा रही अनियंत्रित मोटरसाइकिल UP 44 BP 5646 सवार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा और सर से काफी मात्रा में खून बहने लगा।

मौके पर उपस्थित लोगों ने बताया कि जब तक लोग मौके पर पहुंचते तब तक मनोज कुमार दम तोड़ चुका था। और मोटरसाइकिल चालक फुल नशे में था। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक के दो बेटी और दो बेटे हैं एक बेटी की शादी व एक बेटे की शादी हो चुकी है।

एक बेटी व एक बेटा अविवाहित हैं। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर थाना धम्मौर इंस्पेक्टर ज्ञानचंद शुक्ला दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनाकरित मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लेते हुए, एम्बुलेंस बुलाकर मनोज कुमार को जिला अस्पताल भिजवाया जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही मृतक की पत्नी जानकी देवी के साथ–साथ परिजनों का रो–रो बुरा हाल हो गया है। थानाध्यक्ष धम्मौर ज्ञान चंद्र शुक्ला ने बताया कि परिजन की तरफ से तहरीर मिलने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर दो लाख ऐंठे, फिर मांगी रंगदारी

कानपुर, संवाददाता। चकेरी के दहेली सुजानपुर निवासी एक युवक ने महिला मित्र पर साथियों के साथ मिलकर उससे दो लाख रुपये ऐंठने का आरोप लगाया है। युवक का कहना है कि इसके बाद भी वह झूठा मुकदमा कराने की धमकी देकर एक लाख रुपये की रंगदारी मांग रही है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से हमीरपुर के जमुना घाट कजियाना निवासी विजेंद्र उर्फ मनीष दहेली सुजानपुर में किराये पर रहते हैं। वह इलेक्ट्रानिक सामान की सप्लाई का काम करते हैं। कुछ साल पहले उनकी मुलाकात एक मीटिंग में सतबरी रोड निवासी शिखा निषाद से हुई थी। दोनों की फोन पर बातचीत होने लगी। फिर दोस्ती बढ़ी तो शिखा ने विजेंद्र से छह हजार रुपये उधार मांगे। फिर वर्ष 2021 में उसने बहन की शादी की बात कहकर रुपये ऐंठे। इसी तरह से शिखा ने उनसे कई बार में बहाने बनाकर करीब एक लाख रुपये ले लिए। फिर अक्तूबर 2023 में शिखा ने कोर्ट के माध्यम से उनके खिलाफ शिकायत की और समझौता करने के नाम पर एक लाख रुपये और ले लिए।

उपभोक्ताओं को बिल की फर्जी रसीदें देने में जेई निलंबित हुआ

महोबा, संवाददाता। बिजली उपखंड अजनर में बिजली विभाग के जेई की ओर से उपभोक्ताओं को जमा बिलों की फर्जी रसीदें थमाकर लाखों रुपये की हेराफेरी करने के मामले की परतें खुलने लगी है। अधीक्षण अभियंता आरएस गौतम की ओर से नामित तीन सदस्यीय टीम ने जांच में मामला सही पाया। गबन के आरोपी जेई अमित पांडेय को निलंबित कर जांच के लिए मुख्य अभियंता को रिपोर्ट भेजी गई है। वहीं, ऑपरेटर को हटा दिया गया है। अजनर क्षेत्र के 100 से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं के अलावा नलकूप कनेक्शन धारकों ने रुपये जमा करने के बाद बिलों की रसीद फर्जी देने की शिकायत 10 सितंबर को की थी। आरोप लगाया था कि बिजली विभाग के जेई ने कंप्यूटर ऑपरेटर के सहयोग से लाखों रुपया जमा कर बिल की फर्जी रसीदें उपभोक्ताओं को थमा दीं। बिल अदा करने के बाद भी बकाया बिल जुड़कर आ गया। अधीक्षण अभियंता ने तीन सदस्यीय टीम गठित कर अधिशासी अभियंता ग्रामीण अनिल कुमार, एसडीओ प्रदीप कुमार और लिपिक राकेश परिहार को जांच सौंपी थी। अधीक्षण अभियंता ने जेई अमित पांडेय को निलंबित कर दिया व कंप्यूटर ऑपरेटर सौरभ कुमार को हटा दिया गया। मामला सामने आने पर जेई को एक सप्ताह से मुख्यालय की मीटर लैब में तैनात किया गया था। अधीक्षण अभियंता आरएस गौतम का कहना है कि मामले की जांच में जेई और कंप्यूटर ऑपरेटर की मिली भगत से फर्जी रसीद उपभोक्ताओं को देकर धनराशि हड़पने की पुष्टि हुई है। भाजपा के चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत ने बिजली विभाग के जेई अमित पांडेय पर बिल जमा कर उपभोक्ताओं को फर्जी रसीदें थमा कर ढाई करोड़ रुपये का गबन किए जाने का आरोप लगाया है।

किशोरी से दुष्कर्म के मामले में पड़ोसी को 20 साल कैद

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में डॉक्टर की किशोर बेटी से दुष्कर्म करने वाले पड़ोसी को अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट योगेश कुमार ने 20 साल कैद की सजा सुनाई है। 70 हजार रुपये जुर्माने भी लगाया है। छह दिन में चार्जशीट दाखिल होने के बाद पांच माह में गवाही पूरी कर कोर्ट ने सजा सुनाई है। वहीं अधूरी और गलत रिपोर्ट लगाने वाली डॉक्टर के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पनकी क्षेत्र निवासी डॉक्टर आठ अगस्त 2023 को कानपुर देहात में अपनी क्लीनिक गए थे। उनकी पत्नी किसी काम से अकबरपुर गईं थीं। घर पर 14 वर्षीय बेटी व छह वर्षीय बेटा था। बच्चों ने दरवाजा खुला छोड़ दिया था, जिसका फायदा उठाकर पड़ोसी विनोद सिंह उर्फ मोनू परिहार घर में घुस आया और किशोरी से दुष्कर्म किया। मां–बाप को मार देने की धमकी देकर किशोरी को डराता रहा और रुपये भी वसूलता रहा।

माता–पिता समेत सात गवाह कोर्ट में पेश किए

कुछ दिन बाद मां–बाप के सख्ती से पूछने पर किशोरी ने सारी बात बताई। तब 17 अगस्त को पिता ने पनकी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विशेष लोक अभियोजक भावना गुप्ता ने बताया कि अभियोजन की ओर से पीड़िता व उसके माता–पिता समेत सात गवाह कोर्ट में पेश किए गए। सबूतों और गवाहों के आधार पर कोर्ट ने विनोद को दोषी मानकर सजा सुनाई। जुर्माने के 60 हजार रुपये पीड़िता को दिए जाएंगे।

23 अगस्त 2023 को चार्जशीट, 16 अप्रैल को आरोप तय

एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने छह दिन में ही 23 अगस्त 2023 को चार्जशीट कोर्ट भेज दी थी। 16 अप्रैल 2024 को कोर्ट ने विनोद के खिलाफ आरोप तय किए थे और पांच माह में ही अभियोजन के सात व बचाव पक्ष के दो गवाहों की गवाही कराकर और अभियोजन कार्यवाही पूरी करके कोर्ट ने मुकदमे का फैसला सुना दिया।

डॉ. वर्षा की रिपोर्ट विधि विरुद्ध

पीड़िता का मेडिकल करने वाली डॉक्टर ने मेडिकल परीक्षण में घोर लापरवाही की। इस पर कोर्ट ने सीएमओ और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग लखनऊ के प्रमुख सचिव को निर्देशित किया है कि डॉ. वर्षा के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई करके जानकारी कोर्ट को भेजें।

कई अन्य फाइलों में भी ऐसा ही किया

कोर्ट ने कहा कि डॉ. वर्षा ने परीक्षण रिपोर्ट विधि अनुसार न बनाकर अधूरी, भ्रमित करने वाली व त्रुटिपूर्ण बनाई। रिपोर्ट में यह नहीं लिखा है कि पीड़िता के हाईमन का स्टेटस क्या है। डॉ. वर्षा की रिपोर्ट विधि विरुद्ध, पीड़िता के साथ अन्याय और अभियुक्त को अनुचित लाभ पहुंचाने वाली है। भावना गुप्ता ने बताया कि डॉ. वर्षा वर्तमान में सीएचसी कल्याणपुर में तैनात हैं। कई अन्य फाइलों में भी इन्होंने ऐसा ही किया है।

अवध विश्वविद्यालय का 29 वां दीक्षांत समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न

–शिक्षा, ज्ञान, संस्कार व मूल्य आधारित हो – कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल

(राजेश श्रीवास्तव
ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या। डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 29 वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समारोह में छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता में ज्ञान परंपरा को अक्षुण्ण बनाये रखने में सदैव गुरुकुलों एवं विश्वविद्यालयों का रहा है। इसमें समाज के निर्माण एवं संवर्धन में विश्वविद्यालयों ने सदैव अग्रणी भूमिका निभाई है।उन्होंने कहा कि संस्कृति, ज्ञान एवं परंपरा के संरक्षक एवं विभिन्न कालों में नवीन परम्पराओं के संवाहक एवं नवोन्मेष शोध केंद्र के रूप में ये समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य रहे हैं। कुलाधिपति ने कहा कि स्वर्णपदक छात्र–छात्राओं से कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिदिन छात्राएं आगे बढ़ रही है। इनमें छात्राओं की संख्या काफी है। समाज के सर्वांगीण विकास एवं सशक्त बनाने में इनकी भूमिका बढ़ जाती है। समारोह में राज्यपाल ने कहा कि आपकी सफलता में आपके माता–पिता, गुरूओं की विशेष भूमिका होती है। आप सभी भारत के सबसे युवा एवं सबसे बड़ी पूंजी है।भारत युवा देश में से एक है।इससे युवाओं को रोजगार के अवसर पैदा होंगे। कुलाधिपति ने कहा कि प्रदेश के विकास में अपनी भूमिका निभाने के लिए कार्य करें। अयोध्या अपनी पुरातन संस्कृति के साथ सज–धज रही है। रेलवे स्टेशनों को पूर्नोधार किया गया। वंदे भारत टेक्नोलॉजी का संचालन किया जा रहा है। यहां पर पर्यटन होटल धर्मनगरी के रूप में अयोध्या विकसित हो रही है। दुनिया के विश्वविद्यालय अब भारत में अपने केन्द्र खोल रहे हैं। भारत विश्व की अर्थव्यवस्था पांचवे से तीसरे स्थान की ओर अग्रसर हैं।शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो शिक्षित होने के साथ आत्मनिर्भर भी बनाये। राष्ट्रीय शिक्षा नीति संचालित पाठ्यक्रमों का संचालन अवध विश्वविद्यालय कर रहा है।समारोह में राज्यपाल ने कहा कि छात्राएं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दिन प्रतिदिन आगे बढ़ रही हैं। सत्र 2023–24 की परीक्षा को उत्तीर्ण करने वाले 200218 विद्यार्थियों में छात्राओं का प्रतिशत 55 है, और आज के दीक्षांत समारोह में संबंधित पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंको से उत्तीर्ण होने वाले 116 प्रदान किये जाने वाले स्वर्ण पदकों मे से 65 स्वर्ण पदक छात्राओं को प्राप्त हुए हैं, जो 64 प्रतिशत है। बालिकाओं का इस प्रकार का प्रदर्शन न केवल प्रसंशनीय है बल्कि स्वागत योग्य होने के साथ समाज के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की सशक्त भूमिका के आह्वान का एक सुन्दर एवं सुखद संदेश है। अन्त में राज्यपाल ने सभागार में उपस्थित स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी कहा कि आप अपने ज्ञान, संस्कार व मूल्य आधारित ज्ञान एवं चेतना से देश व समाज की निस्वार्थ सेवा करेंगे।

इस मौके पर विवि के 29 वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि यूनेस्को संचालित महात्मा गांधी शांति व सतत् विकासार्थ शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष प्रो0 भगवती प्रकाश शर्मा ने कहा कि शिक्षा ही प्रत्येक व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के लिए अद्यतन ज्ञान, उन्नत प्रौद्योगिकी, उत्कृष्ट, नैतिकता, उच्च सामाजिक संवेदना एवं उच्च राष्ट्रनिष्ठा के संस्कारों के प्रस्फुटन व विकास का साधन है। देश व समाज का आर्थिक, तकनीकी, सामाजिक व सांस्कृतिक विकास शिक्षा के अनुरूप व उसके समानुपात में ही होता है। देश के भावी विकास की दिशा व गति हमारे 15 लाख विद्यालयों के 27 करोड़ विद्यार्थियों एवं 1100 विश्वविद्यालयों सहित 45,000 महाविद्यालयों में अध्यनरत 4 करोड़ से अधिक छात्र–छात्राओं की शिक्षा–दीक्षा पर ही निर्भर करेगी। समारोह में उन्होंने कहा कि आज विश्वविद्यालय की विविध उपाधियों से विभूषित होने वाले ये छात्र–छात्राएँ देश के सभी ज्ञान आधारित आयामों को अपने अद्यतन ज्ञान व कौशल से स्पन्दित कर देश के समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगे। हमारे उच्च शिक्षा से विभूषित युवा ही चतुर्थ औद्योगिक क्रान्ति के दौर में वैश्विक विकास को गति प्रदान करेंगे। हमारे सुशिक्षित छात्र–छात्राओं के सामाजिक सरोकार व मानवीय संवेदनायें ही देश व समाज में सामाजिक सौहार्द व समरसता के साथ–साथ हमारी सांस्कृतिक विरासत की सरिता को भी सतत् प्रवाहमान रखेगी। हमारी 143 करोड़ जनसंख्या के साथ, हम विश्व की 17.6 प्रतिशत जनसंख्या का निर्माण करते हैं। आज सम्पूर्ण यूरोप के 50 देशों एवं 26 लेटिन अमेरिकी देशों को मिलाकर कुल 76 देशों की संयुक्त जनसंख्या से भी हमारी जनसंख्या अधिक है। हमारी कार्यशील आयु की जनसंख्या आज 90 करोड़ से अधिक है और 2030 तक यह संख्या 100 करोड़ हो जायेगी। यह विश्व की कुल कार्यशील जनसंख्या की 24.3 प्रतिशत होगी। यदि देश की कार्यशील आयु की सम्पूर्ण जनसंख्या को कार्य युक्त किया जा सके तो भारत 400 खरब डालर अर्थात 40 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी आज 25 ट्रिलियन डालर तुल्य है।दीक्षांत समारोह में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने अतिथियो का स्वागत व विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को सत्र 2021–22 से स्नातक स्तर पर, तथा सत्र 2022–23 से परास्नातक स्तर पर विज्ञान, वाणिज्य तथा कला एवं मानविकी संकायों के अंतर्गत सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया है, इसके अंतर्गत प्रथम बैच के विद्यार्थी सत्र 2023–24 में उत्तीर्ण हो चुके हैं। विश्वविद्यालय परिसर में उ.प्र. कौशल विकास मिशन के कौशल विकासार्थ एक स्किल हब स्थापित किया गया है जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय तथा सम्बद्ध महाविद्यालय के विद्यार्थियों को फूलों से इत्र, टूरिस्ट गाइड एवं कृषि से सम्बन्धित क्षेत्रों में कौशल विकास संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जिससे विद्यार्थियों के लिये रोजगार प्राप्ति के अवसर बढ़ेंगे। कुलपति ने बताया कि सत्र 2023–24 में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 200218 उपाधियाँ प्रदान की जा रही हैं जिनमेरू छात्र एवं 58: छात्रायें हैं। इन सफल विद्यार्थियों की उपाधियाँ आज आपके कर कमलों से, भारत सरकार के डिजिलॉकर में ई–प्रमाणपत्र के रूप में उपलब्ध करायी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस दीक्षान्त समारोह में सर्वोच्च अंकों से उत्तीर्ण होने वाले 116 प्रदान किये जाने वाले स्वर्ण पदकों मे 65 स्वर्ण पदक छात्राओं को दिए जा रहे हैं जो की कुल संख्या का 64 प्रतिशत है। समारोह में कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में अन्तर विभागीय, महाविद्यालयीय एवं विश्वविद्यालयीय खेल प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त परिसर स्तर पर विभिन्न विषयों पर भाषण, निबंध, पोस्टर मेकिंग एवं पेन्टिंग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन समय–समय पर किया जाता है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के छात्र–छात्राएं देश के महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों, ख्यातिलब्ध शोध व शैक्षणिक संस्थानों, बैंकिंग सेवा, भारतीय सेना एवं निजी क्षेत्र के उद्यमों के साथ–साथ विदेशों में स्थित महत्वपूर्ण संस्थानों में भी अपनी सेवाएं दे रहे है।समारोह में कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि विश्वविद्यालय ने देश के विभिन्न उत्कृष्ट संस्थानों के साथ 55 शोध, शैक्षिक, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट संबंधी एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं। इसके अतिरिक्त शैक्षिणिक विभागों द्वारा नवंबर 2023 के बाद एक अंतर्राष्ट्रीय तथा 86 राष्ट्रीय संगोष्ठीयाँ एवं कार्यशालायें तथा 69 सह शैक्षणिक गतिविधियाँ आयोजित की गयीं। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने सत्र 2023–24 में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में 2 स्वर्ण, 3 रजत और 19 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं। उन्होंने बताया कि गुणवत्तापरक शोध को प्रोत्साहित करने हेतु विश्वविद्यालय ने सत्र 2024–2025 से ''शोध एवं विकास नीति'' को क्रियान्वित किया है। इसके अंतर्गत शोध पुरस्कार, सीडग्रांट, उत्कृष्ट शोध पत्रों हेतु नगद पुरस्कार, शोध छात्रों के लिए फेलोशिप, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठियों के आयोजन और प्रतिभाग हेतु वित्तीय सहायता सुविधाएं प्रदान किए जाने के प्रावधान हैं।

इसके अतिरिक्त पी–एच.डी. स्कॉलर के लिए पी–एच.डी. थीसिस को समुचित, समान तथा वैज्ञानिक ढंग से लिखने तथा उसको जमा करने हेतु एक मार्ग निर्देशिका तैयार कर सत्र 2024–2025 से लागू की गई है। सत्र 2024–2025 से विश्वविद्यालय ने आवासीय परिसर के शिक्षकों के लिए 'परामर्श नीति' को निर्मित करते हुए क्रियान्वित किया है, जिसका उद्देश्य बाहरी संस्थाओं तथा संगठनों को उन समस्याओं के संबंध में पेशेवर सलाह तथा समाधान प्रदान करना है जिनको वह स्वयं समाधान करने में सक्षम नहीं होते हैं। इसके क्रियान्वन से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के ज्ञान तथा दक्षता में अभिवृद्धि होती है और आर्थिक प्राप्ति भी होती है।इस दीक्षांत समारोह का सफल संचालन प्रो0 संत शरण मिश्र ने किया। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र द्वारा किया गया।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, नाक हनुमानगढ़ी के मंहत रामदास, पंजाब सरकार के डिप्टी डायरेक्टर प्रेम भूषण गोयल, बहराइच सीडीओ मुकेश चन्द्र, वित्त अधिकारी पूर्णेदु शुक्ला, परीक्षा नियंत्रक उमानाथ, उप कुलसचिव दिनेश कुमार मौर्य, डॉ0 रीमा श्रीवास्तव, मोहम्मद सहील, सहित विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद, विद्यापरिषद, महाविद्यालय के प्राचार्य सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी मौजूद रहे।29 वें दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव के प्राथमिक व पूर्व प्राथमिक विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गई थी इनके विजेता प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए बच्चों को प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन द्वारा शिल्ड देकर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त इस समारोह में बहराइच जनपद की आगंनबाड़ी कार्यकत्रियों को राज्यपाल आनंदीबेन ने अपनी ओर बच्चों के लिए किट प्रदान किया। वही विश्वविद्यालय की ओर 100 व बहराइच जिला प्रशासन की ओर से 100 कीट कुलाधिपति के हाथों आगंनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रदान किया।दीक्षांत समारोह में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल द्वारा राज्यपाल एवं मुख्य अतिथि प्रो0 भगवती प्रकाश शर्मा, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय व राज्यमंत्री उच्च शिक्षा श्रीमती रजनी तिवारी को स्वागत स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम भेटकर किया गया। इसके अलावा विश्वविद्यालय की स्मारिका, अनुभूति एक प्रयास द्वितीय संस्करण व इण्डियन नालेज सिस्टम पुस्तक का विमोचन कुलाधिपति द्वारा किया गया।

संक्षिप्त खबरें

सब्जी की दो दुकानों के काउंटर तोड़कर रुपये किए पार

उन्नाव, संवाददाता। मंडी परिसर स्थित सब्जी का थोक व्यापार करने वाले दो व्यापारियों का दिनदहाड़े काउंटर तोड़कर चोरों ने रुपये पार कर दिए। व्यापारियों ने कोतवाली में चोरी की सूचना दी है। कस्बे की बदौसा रोड स्थित मंडी परिसर में थोक सब्जी विक्रेताओं की दुकानें हैं। यहां व्यापारियों की दुकानें सुबह पांच बजे से नौ बजे तक खुली रहती हैं। इसके बाद व्यापारी दुकानें बंद कर चले जाते हैं। सोमवार को दोपहर व्यापारी दुकानें बंदकर घर चले गए। इसी दौरान मौका पाकर चोरों ने सब्जी व्यापारी मुन्ना व रोहित की दुकान में घुसकर काउंटर तोड़कर 700 रुपये पार कर दिए। अगले दिन जब व्यापारी दुकान पहुंचे तो उन्हें चोरी की जानकारी हो सकी। व्यापारियों ने आसपास लगे सीसीटीवी देखे तो उसमें चोरों की फुटेज कैद हो गई है। सब्जी व्यापारी राजा, राकेश,राजू, आनंद राजा पप्पू, गेंदा, शानू आदि ने बताया कि मंडी परिसर में ही यूपी–112 पीआरवी का कार्यालय सहित चंद कदम की दूरी में एसडीएम कार्यालय स्थित है। व्यापारियों ने थाना पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। कोतवाली प्रभारी कुलदीप तिवारी ने बताया कि सब्जी व्यापारियों ने तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर जांच की जाएगी।

बोलेरो की टक्कर से दो मवेशियों की मौत

उन्नाव, संवाददाता। बोलेरो की टक्कर से दो मवेशियों की मौत हो गई। विश्व हिंदू महासंघ गोरक्षा समिति के पदाधिकारियों ने पुलिस को तहरीर देकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। सोमवार की रात बांदा मुख्य मार्ग में बोलेरो चालक दो मवेशियों को टक्कर मारकर भाग गया। दोनों मवेशियों की मौके पर मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही विश्व हिन्दू महासंघ गोरक्षा समिति के सोनू करवरिया पहुंचे। तहसील प्रशासन और कोतवाली पुलिस को सूचना दी। दोनों गोवंशों का पोस्टमार्टम करवाकर सम्मानपूर्वक दफन किया गया। विश्व हिंदू महासंघ गोरक्षा समिति के जिला अध यक्ष महेश कुमार प्रजापति ने कहा कि बोलेरो चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

समस्याओं को लेकर एस डी एम कार्यालय में प्रदर्शन

उन्नाव, संवाददाता। भारतीय किसान यूनियन ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम कार्यालय में प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार मनोहर सिंह को सौंपा। जिलाध्यक्ष अवधेश सिंह पटेल ने कहा कि किसान दैवीय आपदाओं के कारण आर्थिक रूप से टूट चुका है। बैंक उनसे ऋण की वसूली के लिए आरसी आदि जारी कर रहे है। जिसे रोका जाए। किसानों को डीएपी व यूरिया उपलब्ध कराई जाए। निजी नलकूपों में बिजली के मीटर की अनिवार्यता समाप्त की जाए। निजी नलकूपों में बिजली के कनेक्शन कर ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराए जाए। कमलनयन पटेल, ब्रजराज सिंह, प्रवीण कुमार, मुकेश, सुशीला अनुरागी, मनरूप सिंह, कुंज बिहारी, जितेंद्र आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में सांसद से भिड़े ब्लाक प्रमुख

सीतापुर, संवाददाता। परसेंडी विकास खंड सभागार में बृहस्पतिवार को क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक बुलाई गई। बैठक में सांसद राकेश राठौर से ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र राजवंशी की नोकझोंक हो गई। सांसद ने बीडीओ को भी फटकारा। इसके बाद बैठक को कोरम के अभाव में 28 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया। 28 सितंबर को दोबारा बैठक होगी। परसेंडी ब्लॉक में बृहस्पतिवार को क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक बुलाई गई। दोपहर लगभग 1.45 पर सीतापुर सांसद राकेश राठौर पहुंचे। दोपहर 2 बजे खंड विकास अधिकारी धनंजय सिंह बैठक में पहुंचे। वह क्षेत्र पंचायत सदस्यों के हस्ताक्षर का मिलान करवाने लगे। जिसमें राजेश कुमार क्षेत्र पंचायत सदस्य मिर्जापुर के हस्ताक्षर मिले, लेकिन वह सभागार में मौजूद नहीं थे। सांसद राकेश राठौर के कहने पर इनके हस्ताक्षर काटे गए। गिनती की गई तो महज 35 क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद मिले। 20–25 मिनट तक अधिकारी बगले झांकते रहे। वह किसी भी निर्णय पर नहीं पहुंच सके। इस बीच दोपहर करीब 2.30 बजे वार्ड संख्या 6 अमौरा बेनीरामा द्वितीय से निर्वाचित सदस्य प्रज्ञा बैठक में पहुंचीं। इनके हस्ताक्षर ब्लॉक प्रमुख ने रजिस्टर में करवाने का प्रयास किया। इसका सांसद ने विरोध कर दिया। कहा कि दोपहर 2 बजे तक जो भी सदस्य बैठक में पहुंचे हैं, रजिस्टर में सिर्फ उन्हीं के हस्ताक्षर कराए जाएंगे।

इस पर सांसद और ब्लॉक प्रमुख में नोकझोंक होने लगी। ब्लॉक प्रमुख सांसद को बार–बार नियमावली की कॉपी दिखाने लगे। लेकिन सांसद ने कहा कि बिना कोरम के आप कोई भी बैठक नहीं कर सकते हैं। इसी बीच ब्लॉक प्रमुख ने बैठक को स्थगित कर दिया और दोपहर 3:30 बजे दोबारा बैठक करने की घोषणा की।

बीडीओ से सांसद ने लिखवाई टिप्पणी

सांसद ने बीडीओ को फटकार लगाते हुए कहा कि कोई काम नियम विरुद्ध हुआ तो एफआईआर कराऊंगा। वहीं, सांसद ने खंड विकास अधिकारी से कार्यवाही रजिस्टर पर लिखवाया कि दोपहर 2 बजे तक बैठक में 35 सदस्य उपस्थित रहे। यह संख्या कोरम से कम है। इसके बाद अपने हस्ताक्षर करके एक कॉपी लेकर 3 बजे वापस चले गए। जब दोपहर 3:30 बजे बैठक कक्ष में ब्लॉक प्रमुख और खंड विकास अधिकारी दोबारा पहुंचे तो अपरिहार्य कारणों से बैठक स्थगित कर दी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।